vinetur

अधिक गैर-मादक पेय खरीदने से यूरोप में पेय पदार्थों की बिक्री 2.9% बढ़ी

Circana के मुताबिक, भारी छूट के बावजूद छह बड़े किराना बाजारों में मादक पेय की बिक्री 0.8% घटी।

मंगलवार, 6 अक्टूबर 2026



यूरोप के छह सबसे बड़े किराना बाजारों में खरीदारों ने पिछले वर्ष पेय पदार्थों पर अधिक खर्च किया, लेकिन यह बढ़ोतरी मादक पेय से नहीं आई। Circana के नए विश्लेषण के मुताबिक, जून 2025 से जून 2026 के बीच सुपरमार्केट और अन्य बड़े खुदरा बिक्री चैनलों में पेय पदार्थों की कुल बिक्री 2.9% बढ़कर फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्पेन और यूनाइटेड किंगडम में लगभग €180 billion तक पहुंच गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस बढ़ोतरी के पीछे उपभोक्ताओं की बदलती आदतें थीं : अधिक लोग मादक पेय का सेवन कम कर रहे हैं और शीतल पेय तथा कम या बिना अल्कोहल वाले विकल्पों पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। इन छह बाजारों में मादक पेय पर खर्च 0.8% घटा, जबकि कम या शून्य अल्कोहल वाले विकल्पों की बिक्री 7.3% बढ़ी।

किराना खुदरा बाजार में मादक पेय की सभी पारंपरिक श्रेणियों में गिरावट दर्ज की गई। Circana के मुताबिक, वाइन की खरीद 1.5%, बीयर की 0.9%, साइडर की 1.2% और स्पिरिट्स की 2.2% घटी। वहीं, स्पोर्ट्स ड्रिंक्स, एनर्जी ड्रिंक्स और दही-आधारित पेय पदार्थों की मदद से गैर-मादक पेय की बिक्री 5.4% बढ़कर €109 billion हो गई।

Circana ने इस बदलाव को स्वस्थ जीवनशैली पर बढ़ते जोर से जोड़ा। उसके उपभोक्ता सर्वेक्षण में 43% लोगों ने कहा कि उन्होंने कम खरीदकर, खरीदारी टालकर या पूरी तरह छोड़कर मादक पेय का सेवन घटाया है। 25 से 39 वर्ष के लोगों में यह हिस्सा बढ़कर 50% हो गया। बोतलबंद पानी सबसे अधिक खरीदे जाने वाले पेय पदार्थों में शामिल था ; 44% लोगों ने इसका जिक्र किया। इसके बाद जूस और स्मूदी का स्थान 31% और चाय तथा कॉफी का 29% रहा। केवल 15% लोगों ने कहा कि उन्होंने अधिक मादक पेय खरीदे।

खुदरा विक्रेताओं ने भारी छूट दी, इसके बावजूद मादक पेय की खरीद में गिरावट आई। अध्ययन में शामिल 12 महीनों के दौरान 41% बीयर और 37% मादक पेय प्रचारात्मक छूट पर बेचे गए, जबकि सभी पेय पदार्थों में यह अनुपात 25% था। आंकड़े संकेत देते हैं कि छूट से बिक्री को सहारा मिला, लेकिन मादक पेय की मांग में आई व्यापक गिरावट नहीं थमी।

Circana में रणनीतिक विकास संबंधी जानकारी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष Ananda Roy ने कहा कि महामारी के बाद से मादक पेय की लोकप्रियता घट रही है और युवा उपभोक्ता पिछली पीढ़ियों की तुलना में काफी कम पी रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन उपभोक्ताओं के उम्रदराज होने के साथ यह व्यवहार बदल जाएगा, इसके बहुत कम संकेत हैं। उनके मुताबिक, मादक पेय के उत्पादकों को केवल कीमतें घटाने से अधिक करना होगा। बीयर, वाइन और स्पिरिट्स को बदलती पीने की आदतों वाले बाजार में अपनी जगह बनाए रखनी है, तो कंपनियों को कम अल्कोहल, कम चीनी और कम कैलोरी वाले उत्पादों का विस्तार करना होगा।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि पेय पदार्थों के कारोबार में निजी लेबल उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ रही है। छहों बाजारों में पेय पदार्थों पर होने वाले खर्च का अब 35% हिस्सा स्टोर ब्रांडों का है। कॉफी, वाइन, Champagne और दूध-आधारित पेय जैसी श्रेणियों में खुदरा विक्रेताओं के ब्रांड अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं।

खर्च बढ़ने के बावजूद वास्तविक खपत में केवल मामूली वृद्धि हुई। इस अवधि में बेचे गए पेय पदार्थों की मात्रा 0.5% बढ़ी, जबकि औसत कीमतें 2.3% बढ़ीं। इसका मतलब है कि बिक्री मूल्य में 2.9% की ज्यादातर बढ़ोतरी कीमतें बढ़ने से हुई, न कि उपभोक्ताओं द्वारा खरीदी गई मात्रा में बड़े इजाफे से।

देशवार आंकड़ों से क्षेत्र में अलग-अलग रुझान सामने आए। छह देशों के समूह में कुल पेय खर्च का 30% हिस्सा रखने वाले यूनाइटेड किंगडम में खरीदारी 3.2% बढ़कर €54 billion हो गई। Circana ने कहा कि समूह में बेचे गए पेय पदार्थों की कुल मात्रा में ब्रिटेन की हिस्सेदारी केवल 19% थी, जो इस बाजार में अपेक्षाकृत अधिक मूल्य को दर्शाती है। इटली में खर्च 2.9% और नीदरलैंड में 2% बढ़ा, हालांकि दोनों देशों में मात्रा स्थिर रही। स्पेन में तस्वीर अधिक संतुलित रही : कीमतें 2.4% और मात्रा 2.6% बढ़ी। फ्रांस में खर्च की वृद्धि मुख्य रूप से खरीदारी बढ़ने से हुई ; वहां मात्रा 3.3% बढ़ी, जबकि कीमतें केवल 0.4% बढ़ीं। छह देशों में जर्मनी एकमात्र ऐसा देश था जहां पेय पदार्थों की मात्रा घटी—यहां कीमतें 4% बढ़ीं, जबकि मात्रा 2.7% कम हुई।

कीमतें ऊंची रहने के बावजूद कुछ श्रेणियों में विस्तार जारी रहा। दही-आधारित पेय पदार्थों की मात्रा 12.3%, रेडी-टू-ड्रिंक स्पिरिट्स की 12.9% और बिना गैस वाले पानी तथा पौधों पर आधारित पेय पदार्थों की मात्रा 5.2% बढ़ी। Circana ने कहा कि 2026 की दूसरी तिमाही में कुल बाजार में सुधार आया, जब औसत कीमतें 0.2% फिसलीं और बेचे गए पेय पदार्थों की मात्रा 1.6% बढ़ी।